VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 03 SEP 2017
SUBMITTED IN 3 HOURS
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 873)

Name of Candidate	S.CHANDRA		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	41040
Center	MN	Date	03/09/2017

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	25	
14	25	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are FOURTEEN questions printed in ENGLISH & HINDI
इसमें चौदह पश्न हैं अंग्रजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. **(a)** The more remotely power is exercised from the people, the greater is the distance between authority and accountability. Discuss. 10

(a) जितना लोगों से सत्ता का प्रयोग दूर होगा, उतना ही अधिक प्राधिकारी और जवाबदेही के बीच अंतर होगा। चर्चा कीजिए।

उपरोक्त कथन सत्ता के कार्यों में जन-भागीदारी और सत्ता की जवाबदेहिता के बीच संबंधों के निर्धारण से है। वस्तुत: सत्ता की जवाबदेही के लिए आवश्यक है कि सत्ता के द्वारा लिए गए निर्णयों के औचित्य का प्रश्न पूछा जाए।

जब लोग सत्ता के प्रयोग के समीप आते हैं, तब वे सत्ता के निर्णयों के औचित्य के बारे में अधिक प्रश्न पूछ सकते हैं। सत्ता के प्रयोग के पास आने के लिए दो उपाय हो सकते हैं -

(i) लोगों को शिक्षित एवं राजनीतिक रूप से जागरूक बनाना ताकि वे सत्ता पर नियंत्रण एवं संतुलन रख सकें।

(ii) सत्ता के कार्यों का <u>विकेन्द्रीकरण</u>

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपरोक्त दोनों उपाय उतने प्रभावी नहीं होंगे यदि इनका प्रयोग अलग-अलग किया जाए। उपरोक्त दोनों उपायों को एक-साथ लागू करने से ही सत्ता के प्रयोग को लोगों के समीप लाया जा सकता है।

भारत में पंचायती राज के कारण सत्ता से लोगों की दूरी में अभूतपूर्व कमी आई किन्तु कुछ क्षेत्रों में प्रशिक्षण एवं जागरूकता के अभाव में लक्षित परिणाम नहीं दिखे। अतः आवश्यकता है कि सत्ता के प्रयोग के प्रति जागरूकता एवं सत्ता का विकेन्द्रण एक साथ किया जाए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) "If you want others to be happy, practice compassion. If you want to be happy, practice compassion". In what ways can a compassionate public official be more useful for realizing public service goals? 10

(b)"यदि आप दूसरों को प्रसन्न रखना चाहते हैं, तो करुणावान बनें। यदि आप प्रसन्न रहना चाहते हैं तो करूणा अपनाएं।" किस प्रकार से एक करुणावान लोक सेवक सार्वजनिक सेवा के लक्ष्यों को साकार करने के लिए अधिक उपयोगी हो सकता है?

करुणा व्यक्ति को आंतरिक रूप से प्रेरित करने वाला एक प्रभावी मूल्य है, जिसकी सहायता से व्यक्ति दूसरे के दुःख को समझने में आत्म और पर के बीच अंतर को भूल जाता है और पर-दुःख को आत्म-दुःख समझकर उसके समाधान का सतत एवं दीर्घकालीन प्रयास करता है।

करुणावान व्यक्ति दूसरे की प्रसन्नता के लिए अपने हितों को भूलकर कार्य/प्रयास करता है। और इस क्रम में जब वह करुणा अपनाता है तो आत्म संतुष्टि के कारण प्रसन्नता मिलती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोकसेवकों के लिए करुणा को अपनाना अत्यधिक लाभकारी है क्योंकि –

→ करुणावान लोकसेवक आत्महितों को दूसरे के दुःख को मिटाने में देखने लगता है और बिना करुणा-थकान के लगातार वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर सकता है।

→ करुणावान लोकसेवक अपने सभी प्रकार के पूर्वाग्रहों, कटु अभिवृत्तियों को भूल जाता है और उसके मन में उपस्थित वंचित-वर्गों की वर्तमान परिस्थितियों के आधार पर कार्य करता है।

→ करुणावान लोकसेवक वंचित वर्गों के कष्टों को अपना-मानने लगता है और इनके निवारण के प्रयास करता है, फलस्वरूप प्रशासन-जनसामान्य के बीच दूरी कम होती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) The recent decision by the government to ban use of red beacons is only a symbolic gesture and a lot more needs to be done to end the VIP culture in India. Critically discuss. 10

(a) लाल बत्ती के प्रयोग पर प्रतिबन्ध सम्बन्धी सरकार का हालिया निर्णय केवल एक प्रतीकात्मक संकेत हैं और भारत में वीआईपी संस्कृति समाप्त करने के लिए बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। आलोचनात्मक रूप से चर्चा कीजिए।

लोक-कल्याणकारी राज्य में लोक-नीतियों के प्रभावी क्रियांवयन के लिए आवश्यक है कि प्रशासन और जनसामान्य के बीच दूरी न्यूनतम हो तथा लोकसेवक जनसामान्य के बीच रहकर कार्य करें। लाल-बत्ती-संस्कृति ने ब्रिटिशकालीन सत्ता के नैरन्तर्य के रूप में कार्य किया है और प्रशासनिक दूरी को बढ़ाने का कार्य किया है। ऐसे में लाल-बत्ती के प्रयोग के प्रतिबन्ध संबंधी निर्णय से जनता-प्रशासन के बीच दूरी में निश्चित ही कमी आने की संभावना है।

हालांकि लोकसेवकों की ब्रिटिशकालीन नौकरशाही मानसिकता को बदलने के लिए एक-मात्र प्रयास के रूप में उपरोक्त प्रयास

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

~~मात्र~~ नाकाफी है। लोकसेवकों की शाही-मानसिकता बदलने के लिए एकीकृत प्रयासों की आवश्यकता है, जिनमें निम्नांकित शामिल हैं -

(i) सत्ता का वास्तविक विकेन्द्रीकरण कर आमजन की सत्ता में भागीदारी बढ़ाना।

(ii) राजनीतिक जागरूकता एवं शिक्षा के द्वारा आमजन को उनके अधिकारों के प्रति अवगत कराना।

(iii) लोकसेवकों के चयन में विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करना ताकि प्रत्येक वर्ग सत्ता को अपनत्व के भाव से देखे।

(iv) निरन्तर प्रशिक्षण एवं आमजन से व्यवहारी सम्पर्क द्वारा जन-कठिनाइयों से लोकसेवकों को जानकार बनाना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) To what extent can financial incentives help shape attitude towards social issues? Discuss with relevant examples. 10

(b) किस हद तक आर्थिक प्रोत्साहन सामाजिक मुद्दों के प्रति अभिवृत्ति को आकार देने में सहायता कर सकते हैं? प्रासंगिक उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए।

भारत में सामाजिक भेदभाव का मूल आधार आर्थिक है। वस्तुतः सभी वंचित वर्ग ऐतिहासिक रूप से संसाधनों से वंचित रहे हैं। इसी वंचना के कारण ये वर्ग समृद्ध वर्गों पर निर्भर रहते हैं, जिससे समृद्ध वर्गों में वर्चस्वता की जबकि वंचित वर्गों में दासता की भावना दृढ़ हो जाती है।

आर्थिक प्रोत्साहन के कारण वंचित वर्गों की निर्भरता संपन्न वर्गों पर कम होती है तथा वह अपने जीवन निर्वाह के विकल्पों में विकेन्द्रीकरण लाता है तथा इससे जीवन-स्तर बढ़ने से सामाजिक मुद्दों के प्रति अभिवृत्ति परिवर्तित होने लगती है।

उदाहरण स्वरूप दिव्यांगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर परिवार एवं

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

समाज में उनकी भूमिका परिवर्तित हो जाती है।

हालांकि व्यापक रूप से जड़ समाज में आर्थिक उन्नति के बावजूद सामाजिक अभिवृत्ति यथावत बनी रहती है। उदाहरण के लिए दलित अधिकारी के साथ उसके कनिष्ठ अधिकारी, जो उच्च वर्ग से आते हैं, भोजन नहीं करते।

अतः आर्थिक प्रोत्साहन के साथ ही व्यापक एवं विकेन्द्रीकृत प्रयासों की आवश्यकता है, ताकि सामाजिक मुद्दों के प्रति अभिवृत्ति में परिवर्तन हो सके जैसे -

- वंचित वर्गों की सत्ता में भागीदारी
- वंचित वर्गों में उद्यमिता विकास
- बाध्यकारी सम्पर्कों द्वारा सम्पन्न वर्गों की निकटता वंचित वर्गों से बढ़ाना तथा वास्तविकताओं से परिचित कराना,
- वैधानिक प्रयास,

3. (a) At times, moral behaviour can be constrained by the complexity of legal system. Explain. In this context, explain the purpose of legal protection for good samaritans in the case of road accidents. 10

(a) कई बार, नैतिक व्यवहार कानूनी प्रणाली की जटिलता के चलते निरुद्ध हो सकता है। व्याख्या कीजिये। इस संदर्भ में, सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में संकट के समय सहायता देने वाले अच्छे व्यक्तियों (good samaritans) के लिए कानूनी संरक्षण के उद्देश्य को समझाएं।

प्रत्येक समाज में नैतिक नियम उसके कानूनी नियमों से सुसंगत पाए जाते हैं किंतु कानूनी नियमों की वस्तुनिष्ठता (objectivity) नैतिक नियमों से अधिक व्यापक भी हो सकती है। अतः स्वाभाविक है कि कुछ कृत्य नैतिक किन्तु गैर-कानूनी हो सकते हैं। उदाहरण के लिए - भगतसिंह के कृत्य नैतिक थे किंतु तत्कालीन कानूनों के अनुसार गैर-कानूनी थे।

अतः नैतिक व्यवहार कानूनों की जटिलता के कारण निरुद्ध हो सकता है। नेक व्यक्ति (Good samaritans) भी इसी प्रकार की ~~नैतिक~~ कानूनी अड़चनों के कारण आगे आने से डरते हैं और घायलों को समय रहते

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चिकित्सकीय सहायता नहीं मिल पाती है।

नेक व्यक्तियों के समक्ष आने वाली कानूनी अड़चनों को दूर करने के निम्नांकित उद्देश्य होने चाहिए -

→ अनुकूलतम समय में न्यूनतम पूछताछ होनी चाहिए।

→ आर्थिक दबावों से मुक्त करना चाहिए।

→ बेहतर कार्य करने वाले नेक लोगों को प्रोत्साहित कर सामाजिक सम्मान प्रदान करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) Examine the different ethical issues involved in the use of public shaming as a punitive measure. Do you think this is an appropriate measure to address the problem of rising crime rates. 10

(b) दंडात्मक उपाय के रूप में सार्वजनिक रूप से लज्जित करने (public shaming) जैसे उपायों से जुड़े विभिन्न नैतिक मुद्दों का परीक्षण कीजिए। क्या आप मानते हैं कि बढ़ते अपराध दर की समस्या हल करने के लिए यह उपयुक्त उपाय है।

किसी भी समाज में समाजीकरण की प्रक्रिया में प्रोत्साहन एवं दण्ड की रणनीति अपनाई जाती है तथा सामाजिक रूप से नैतिक कृत्यों पर सम्मान तथा अनैतिक कृत्यों पर दण्ड प्रदान किया जाता है।

सार्वजनिक रूप से लज्जित करने का उपाय भी दण्ड का एक रूप है, जिसमें अनैतिक या समाज-विरोधी कार्य करने पर सामाजिक बहिष्कार जैसे उपायों की सहायता ली जाती है।

रूढ़िवादी समाज होने पर प्रगतिशील कृत्यों पर भी सामाजिक लज्जा झेलने को मिल सकती है। और चूंकि सकारात्मक बदलावों पर शुरुआत में भारी सामाजिक विरोध देखने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को मिलता है अतः पब्लिक शेमिंग एक नकारात्मक परिणाम उत्पन्न कर सकता है।

पब्लिक शेमिंग का व्यापक रूप मॉब-लिंचिंग जैसे परिणामों में भी परिवर्तित हो सकता है।

पब्लिक शेमिंग व्यक्ति की गरिमा एवं स्वतंत्रता के भी विरुद्ध है। इससे व्यक्ति सामाजिक बिलगाव की भावना से ग्रस्त हो जाता है तथा अन्य गंभीर अपराध भी कर सकता है।

अपराधों के संदर्भ में पब्लिक शेमिंग एक सीमा तक सकारात्मक परिणाम वाली हो सकती है किन्तु इसका चरम रूप नकारात्मक परिणाम प्रदान करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** Why did Gunnar Myrdal use the term 'soft state' in the context of South Asia? Do you think such a characterisation is still relevant in the case of India today? 10

(a) गुन्नार मिर्डल ने दक्षिण एशिया के संदर्भ में 'मृदु राज्य' का प्रयोग क्यों किया है ? क्या आप मानते हैं कि इस प्रकार का विशेषीकरण आज के भारत के संदर्भ में भी प्रासंगिक है?

गुन्नार मिर्डल के अनुसार दक्षिण एशिया में राजनीतिक -सामाजिक जटिलताओं के कारण राज्य कठोर निर्णय लेने से कतराते हैं। वस्तुतः दक्षिणी एशिया में अत्यधिक सामाजिक विविधताओं के कारण राज्य द्वारा उठाया गया कदम सर्वसम्मति से नहीं अपनाया जा सकता है अतः राज्य को मध्य मार्गी बनना पड़ता है, जो राज्य की शक्तियों को कम करके दिखाता है।

भारतीय समाज का विकास अनेक संस्कृतियों के एकीकरण एवं आत्मसातीकरण द्वारा हुआ है; जिसके कारण यहाँ चरम-प्रभाव वाले नियमों की न्यूनता है। अतः कोई भी कठोर निर्णय सांस्कृतिक समन्वय को कमजोर कर सकता है।

हालांकि वर्तमान में भारतीय लोकतंत्र परिपक्वता की अवस्था में पहुँच चुका है तथा कठोर निर्णय लेने में सक्षम हो चुका है।

उदाहरण के लिए
↳ परमाणु परीक्षण
↳ हॉट परस्यूट एवं सर्जिकल स्ट्राइक।
→ विमौद्रीकरण का फैसला

हालांकि सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों में भारत अभी भी मध्यमार्ग अपनाता है। उदाहरण के लिए यूनिफार्म सिविल कोड का मामला।

निष्कर्षत: भारत अपने सामाजिक संरचना को बनाए रखने के लिए मृदुराष्ट्र बना हुआ है किन्तु अंतर्राष्ट्रीय संबंधों एवं आर्थिक नीतियों में वह मृदुराष्ट्र की भूमिका से ऊपर आ चुका है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) Intolerance can be linked both to prejudices and value judgments. Elaborate with relevant examples. Also discuss how intolerance can be countered in a multicultural society like India. 10

(b) असहिष्णुता को पूर्वाग्रह और मूल्यानुमानों (value judgments) दोनों से जोड़ा जा सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों के साथ सविस्तार वर्णन कीजिए। साथ ही चर्चा कीजिए कि भारत जैसे बहुसांस्कृतिक समाज में असहिष्णुता का प्रतिकार कैसे किया जा सकता है।

असहिष्णुता का आशय ~~विरोधी~~ अपने से भिन्न विचारधाराओं का विरोध करने से है। ये विचारधाराएं किसी समाज के विकास क्रम की परिस्थितियों के अनुसार निर्मित होती हैं तथा जाति, भाषा, वर्ग, नस्ल, मूल्य, सिद्धांत आदि के ~~[illegible]~~ आधार पर निर्मित होती हैं।

असहिष्णुता में ~~भिन्न~~ अपने से भिन्न विचारों, मूल्यों आदि के प्रति या तो जानकारी नहीं होती है या फिर गलत जानकारी होती है। परिणामस्वरूप सिर्फ पूर्वाग्रहों के आधार पर असहिष्णुता विकसित हो जाती है। अन्य विचारों, मूल्यों आदि के संबंध में पर्याप्त जानकारी के अभाव में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अपने मूल्यों के सापेक्ष अन्य भिन्न मूल्यों का मूल्यांकन किया जाता है और उन मूल्यों को गलत ठहरा दिया जाता है। अतः असहिष्णुता विकसित हो जाती है।

भारतीय समाज का निर्माण एकीकरण और सात्मीकरण का परिणाम है अतः यहाँ असहिष्णुता की भावना को न्यूनतम प्रयासों से कम किया जा सकता है, जैसे –

- सांस्कृतिक आदान-प्रदान / गतिशीलता को बढ़ावा देकर अन्य संस्कृतियों को करीब से जानना।
- शिक्षाशास्त्र में सहिष्णु मूल्यों का समावेश।
- आंतरिक पर्यटन, सहचार्य शिक्षा आदि को बढ़ावा।
- विधिक एवं कानूनी उपायों द्वारा नकारात्मक तत्वों पर प्रतिबंध।

---

5. Social attitude towards corruption has become more forgiving with time leading to a view of illegal gains and misappropriation of public assets as a "rightful" individual prerogative. Analyse in the context of India. 10

समय के साथ भ्रष्टाचार के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण अधिक क्षम्य बन गया है जिससे "उचित" व्यक्तिगत विशिष्टाधिकार के रूप में गैर-कानूनी लाभों और सार्वजनिक परिसंपत्तियों के दुर्विनियोग का मार्ग प्रशस्त हुआ है। भारत के संदर्भ में विश्लेषण कीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What are the factors which draw people to public service? Suggest measures to keep public servants motivated. 10

लोगों को लोक सेवा की ओर आकर्षित करने वाले कारक क्या हैं? लोक सेवकों को प्रेरित रखने के उपाय सुझाइए।

लोगों को लोक सेवा की ओर आकर्षित करने वाले कारक -

- कल्याणकारी राज्य के व्यापक तंत्र का हिस्सा बनने का मौका।
- जनसेवा करने का एक वृहद मंच की प्राप्ति
- वंचित वर्गों से जुड़ने एवं उनके उत्थान करने का मौका
- नवाचारों को लागू करने के लिए व्यापक मंच की उपलब्धता
- नीति-निर्माण को प्रभावित करने की क्षमता की प्राप्ति।
- पारदर्शी तंत्र के निर्माण का मौका
- व्यक्तिगत क्षमताओं का विकास करने एवं उन्हें दर्शाने का मौका।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोक-सेवकों को प्रेरित करने के उपाय -

↳ उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मान एवं प्रोत्साहन

↳ वंचित वर्गों से सतत सम्पर्क में रखना ताकि करुणावान बने रहें।

↳ सामाजिक सम्मान के लिए सार्वजनिक मंचों पर सम्मानित करना।

↳ उचित कार्यसंस्कृति का विकास करना ताकि लोकसेवक सक्रिय बने रहें।

↳ नवाचारी उपाय अपनाकर सक्रियता बनाए रखना

→ समय-समय पर प्रशिक्षण प्रदान करना।

7. Corporate Governance provides a framework that defines the rights, roles and responsibilities of various groups within an organization. (a) Elaborate the need to incorporate the principles of Corporate Governance to enhance the effectiveness of the public sector enterprises. (b) Identify the challenges specific to the public sector when it comes to the application of good practices of corporate governance. 10

कॉर्पोरेट गवर्नेंस वह ढांचा प्रदान करता है जो संगठन के भीतर विभिन्न समूहों की भूमिकाएं, अधिकार और उत्तरदायित्व परिभाषित करता है। (a) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस के सिद्धांतों को समाविष्ट करने की आवश्यकता का सविस्तार वर्णन कीजिए। (b) जब कॉरपोरेट गवर्नेंस की अच्छी पद्धतियों के अनुप्रयोग की बात आती है तो सार्वजनिक क्षेत्र के लिए विशिष्ट चुनौतियों की पहचान कीजिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Emotions, earlier considered as an irrational factor in decision-making, are now recognised as a critical factor of judgment. In this regard, answer the following questions: (a) How can Emotional Intelligence help in coping with the intense pressure and occupational stress faced by police officers and armed forces in discharge of their duties? (b) What are the some of the concerns in incorporating and assessment of emotional intelligence skills in public service? 10

भावनाओं को, जिन्हें निर्णय लेने में पहले एक अतार्किक कारक माना जाता था, अब निर्णय का महत्वपूर्ण कारक माना जाता है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) अपने कर्तव्यों का निर्वहन में पुलिस कर्मियों और सशस्त्र बलों द्वारा सामना किए जाने वाले तीव्र दबाव और कार्य सम्बन्धी तनाव (occupational stress) का मुकाबला करने में भावात्मक प्रज्ञता (Emotional Intelligence) किस प्रकार सहायता कर सकती है?

(b) लोक सेवा में भावात्मक प्रज्ञता कौशल को समाविष्ट करने और आंकलन सम्बन्धी कुछ चिंताएं क्या हैं?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. You, a manager in one of the top IT firms in the country, are tasked with hiring new recruits for an upcoming project. You find that the company has given tacit instructions of not hiring female candidates in view of the new maternity law passed by the Government. You find this highly objectionable and lodge a protest with people in the higher management but they are firm as they want to cut down all the unnecessary costs.
Based on this information, answer the following questions:

(a) Identify the stakeholders and their interests in the situation.

(b) What are the dilemmas that a recruiting manager may face in such a scenario?

(c) What are the different options available to you? Which one will you pursue and why? 20

आप देश की एक शीर्ष आईटी कंपनी के प्रबंधक हैं। आपको आगामी परियोजना के लिए नई भर्तियां करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। आप पाते हैं कि सरकार द्वारा पारित किए गए नवीन मातृत्व कानून के आलोक में कंपनी ने महिला अभ्यर्थियों की भर्ती न करने का अकथित निर्देश दिया गया है। आप इसे अत्यधिक आपत्तिजनक पाते हैं और प्रबंधन के उच्च अधिकारियों से विरोध जताते हैं, लेकिन वे दृढ़ हैं क्योंकि वे सभी अनावश्यक व्यय में कमी करना चाहते हैं।
इस जानकारी के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) इस स्थिति में हितधारकों और उनके हितों की पहचान कीजिए।

(b) वे धर्मसंकट क्या हैं जिनका ऐसी परिस्थिति में भर्ती प्रबंधक द्वारा सामना किया जा सकता है?

(c) आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं? आप किसका अनुसरण करेंगे और क्यों?

(a) इस मुद्दे में हितधारक एवं उनके हित -

(i) महिला अभ्यर्थी:

उपरोक्त मामले में महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित करने का प्रयास किया जा रहा है। योग्यता के बावजूद उन्हें कम्पनी की नीति के कारण भर्ती नहीं करने का प्रयास है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) कम्पनी एवं इसके हितधारक

: प्रत्येक कम्पनी स्वाभाविक तौर पर अपने व्यय न्यूनतम रखकर अधिकतम लाभांश का प्रयास करती है।

(iii) स्वयं मैं :

मैं व्यावसायिक नैतिकता, कम्पनी की कार्यसंस्कृति एवं व्यक्तिगत हितों को अधिकतम करने के साथ ही सामाजिक हितों की पूर्ति करने में अपने हित देखता हूँ।

(iv) सरकार :

चूँकि लौकिक न्याय के प्रयासों में सरकार को निजी क्षेत्र की भागीदारी आवश्यक है अतः प्रत्येक कम्पनी द्वारा उद्देश्यों में भागीदारी करने में ही सरकारी हित मौजूद है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) प्रमुख नैतिक दुविधाएं -

(i) कम्पनी के सीमित लाभ एवं व्यापक सामाजिक लाभों में सामंजस्य स्थापित करने की दुविधा।

(ii) सरकारी प्रयासों के बावजूद कम्पनी की कार्यसंस्कृति महिला-विरोधी होने की दुविधा

(iii) ~~व्यक्तिगत लाभ बनाम~~

व्यक्तिगत शुचिता बनाम कम्पनी के प्रति प्रतिबद्धता की दुविधा

(c) मेरे पास उपलब्ध प्रमुख विकल्प-

(i) कम्पनी के निर्देशों का पालन करते हुए महिला अभ्यर्थियों को भर्ती नहीं करना।

इस विकल्प से कम्पनी के व्यय कम हो सकते है तथा कम्पनी की तरफ

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

से मुझे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लाभ भी मिल सकते है किन्तु यह विकल्प व्यावसायिक नैतिकता, लिंग संवेदी कार्य संस्कृति एवं व्यक्तिगत शुचिता के विरुद्ध साबित होगा।

(ii) कम्पनी के निर्देश मानने से मना कर दूँ तथा संबंधित चैनल के माध्यम से कम्पनी की शिकायत करूँ तथा मीडिया में बात उजागर कर दूँ।

इस विकल्प में मेरी ईमानदारी तो सामने आती है किन्तु कम्पनी की साख पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, जो स्वयं मेरे लिए अलाभकारी होगा। चूँकि मेरे पास लिखित आदेश भी नहीं है अतः मीडिया में जाने का बेहतर परिणाम नहीं होगा।

(iii) कम्पनी के समक्ष लैंगिक संवेदी कम्पनी होने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के लाभों की चर्चा करूँ तथा महिला अभ्यर्थियों को योग्यतानुसार मौका दूँ।

इस विकल्प में मैं कम्पनी के सामने प्रावधान रखूँगा कि कम्पनी द्वारा महिला लाभ प्रदान करने से हुए व्यय की भरपाई कम्पनी का प्रचार एक लिंग-संवेदी एवं महिला संवेदी कम्पनी के रूप में कर कम्पनी की सामाजिक स्वीकार्यता बढ़ाकर होने वाले लाभों से की जा सकती है।

लैंगिक संवेदी कम्पनी के रूप में कम्पनी का नाम होने पर ना केवल समाज में कम्पनी का प्रभावक्षेत्र बढ़ेगा बल्कि बेहतर एवं कुशल महिला अभ्यर्थी भी कम्पनी की तरफ आकर्षित होंगी, जो कम्पनी के लाभों में वृद्धि करेंगी। अतः मैं निश्चित तौर पर तृतीय विकल्प अपनाऊँगा।

10. There has been a perceptible rise in the cost of healthcare services provided by private hospitals. In absence of adequate and quality government hospitals, people are forced to opt for private hospitals, especially for life threatening diseases and injuries. You recently visit one of your friends admitted in a famous private hospital. You found out that the hospital is charging a huge amount of money, which seems to be unreasonable. You confront the staff and ask them to explain the rationale behind such high charges.

Their response is that the charges are fair for the kind of services they are providing.

(a) What are the ethical issues involved in this situation?

(b) Given how other professions price their services, discuss the feasibility of capping the amount of fees charged by doctors and private hospitals.

(c) How can the provision of quality services and need for profit be reconciled with society's interests in this case? 20

निजी अस्पतालों द्वारा प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की लागत में सुष्पष्ट वृद्धि हुई है। पर्याप्त और गुणवत्ता पूर्ण सरकारी अस्पतालों के अभाव में, लोग निजी अस्पतालों का विकल्प चुनने के लिए विवश हैं, विशेषकर जीवन के लिए खतरनाक बीमारियों और चोटों हेतु। आप हाल ही में एक प्रसिद्ध निजी अस्पताल में भर्ती अपने मित्र से मिलने जाते हैं। आपको पता चलता है कि अस्पताल बड़ी धनराशि वसूल रहा है जो आपको अनुचित या आवश्यकता से अधिक प्रतीत होता है। आप कर्मचारियों से बातचीत करते हैं और उनसे इस प्रकार के उच्च शुल्क के पीछे का तर्क समझाने के लिए कहते हैं।

उनकी प्रतिक्रिया यह है कि उनके द्वारा जिस प्रकार की सेवाएँ प्रदान की जाती हैं उसके लिए यह शुल्क उचित है।

(a) इस स्थिति से जुड़े नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) यह देखते हुए कि अन्य व्यवसाय अपनी सेवाओं का मूल्य कैसे तय करते हैं, चिकित्सकों और निजी अस्पतालों द्वारा आरोपित शुल्क की राशि पर सीमा निर्धारित करने की व्यवहार्यता पर चर्चा कीजिए।

(c) इस प्रकरण में गुणवत्ता परक सेवाओं के प्रबंध और लाभ की आवश्यकता का समाज के हितों के साथ सामंजस्य कैसे स्थापित किया जा सकता है?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) स्थिति से जुड़े नैतिक मुद्दे निम्नांकित हैं→

(i) अस्पताल की चिकित्सा नैतिकता एवं व्यावसायिक नैतिकता की कमी।

(ii) अस्पताल की कार्यसंस्कृति उचित नहीं है तथा पारदर्शिता की कमी के कारण अतार्किक आधारों पर शुल्क वृद्धि की जा रही है।

(iii) अस्पताल की सामाजिक दायित्व की कमी,

(iv) सरकारी तंत्र की विफलता के कारण निजी अस्पतालों को अनुचित लाभ।

(v) नागरिकों की निम्न आय स्तर के कारण ~~चिकित्सा~~ चिकित्सा सेवाओं की अवहनीयता,

(b)

उदारीकृत व्यवस्था के कारण अन्य व्यवसाय अपनी सेवाओं के मूल्य तय करने में मांग - आपूर्ति तंत्र की सहायता लेते हैं। चूंकि सामान्य व्यवसायों में सेवा प्रदाताओं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की संख्या अधिक होने के कारण उपभोक्ताओं को वहनीय एवं प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर सेवाएं प्राप्त हो जाती है।

प्रत्येक व्यवसाय की तरह निजी-अस्पताल भी अपने लाभांश को महत्तम करना चाहते हैं अतः माँग के अनुसार सेवाओं के मूल्य तय करते हैं।

किन्तु, चूंकि चिकित्सा क्षेत्र में तकनीकी स्तर पर विशेषज्ञता की आवश्यकता के साथ अनुसंधान एवं विकास, परीक्षण, मानकीकरण, आदि में अत्यधिक निवेश की आवश्यकता होती है अतः सुविधाप्रदाताओं का एक छोटा समूह ही प्रतिस्पर्धा करता है तथा कार्टेल का निर्माण कर इच्छानुसार मूल्यों में वृद्धि करता है, जो आमजन की वहनीयता से परे हो जाता है।

अतः सरकार द्वारा मूल्यों के तर्कपूर्ण बनाने के लिए मूल्य की उपरीसीमा

तय की जाती है।

मूल्य निर्धारण तार्किक आधारों पर होना चाहिए ताकि कम्पनी द्वारा भावी निवेश भी किया जा सके। साथ ही सामाजिक सरोकारों की पूर्ति के लिए चिकित्सा अवसंरचना में सार्वजनिक निवेश बढ़ाना चाहिए।

(c) गुणवत्ता परक सेवाओं के प्रबंध और लाभ की आवश्यकता का सामाजिक हितों के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए वांछित प्रयास →

↳ चिकित्सा सेवाओं में व्यापक सार्वजनिक निवेश करना ताकि निजी क्षेत्र से दबाव कम हो तथा उनकी एकाधिकारिता समाप्त हो।

↳ अनुसंधान एवं विकास में सार्वजनिक निवेश

↳ भूमि, सुरक्षा, स्टाफ-सुविधा आदि प्रदान कर निजी क्षेत्रों को प्रोत्साहन देना ताकि

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रतिस्पर्धी बनने से सेवाएं वहनीय बन सके।

→ स्वच्छता, पोषणयुक्त खाद्य की आपूर्ति, जागरूकता, सकारात्मक जीवनशैली को प्रोत्साहन आदि द्वारा चिकित्सा अवसंरचना पर अतिदबाव को कम करके सेवाओं की गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are the District Magistrate in a district where a significant number of transgenders reside. While discrimination against the community is well known, commuters increasingly complain of harassment at their hands, especially at traffic junctions where transgenders are mostly involved in begging. This, at times, also leads to traffic management issues. You have received a number of complaints in this regard and have to act quickly to resolve it. However, a group of transgender associations argue that begging is their only source of livelihood.

Given the situation, answer the following questions:

(a) Describe the ethical issues involved in this case. Discuss the attitude of people towards transgenders in general and reasons for the same.

(b) What possible courses of action can be undertaken in such situations? Discuss their merits and demerits. 20

आप ऐसे जिले में जिला मजिस्ट्रेट हैं जहां ट्रांसजेंडर की बड़ी संख्या रहती है। यद्यपि इस समुदाय के विरूद्ध भेदभाव सुविदित है, तथापि यात्री उनके हाथों, विशेषकर यातायात जंक्शनों पर अधिकाधिक उत्पीड़न की शिकायत करते हैं, जहां ट्रांसजेंडर अधिकांशतः भीख मांगने में शामिल होते हैं। कभी-कभी, इससे यातायात प्रबंधन की समस्या भी पैदा होती है। इस संबंध में आपको कई शिकायतें मिली हैं और इसे हल करने के लिए शीघ्र कार्रवाई करनी है। हालांकि, ट्रांसजेंडर संघ के एक समूह का कहना है कि भीख मांगना उनकी आजीविका का एकमात्र स्रोत है।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण से जुड़े नैतिक मुद्दों का वर्णन कीजिए। ट्रांसजेंडर लोगों के प्रति जनसामान्य के सामान्य दृष्टिकोण और उसके कारणों पर चर्चा कीजिए।

(b) ऐसी स्थिति में क्या संभव कार्रवाई की जा सकती है? उनके गुणों और अवगुणों पर चर्चा कीजिए।

(a) • समस्या से जुड़े प्रमुख नैतिक मुद्दे -

(i) वंचित वर्गों के प्रति सामाजिक संवेदना की कमी।

अनेक सामाजिक कारणों से ट्रांसजेंडर समुदायों की सामाजिक अपनत्व में कमी देखी जाती है। इसके कारण ये

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समुदाय विलगाव की भावना से ग्रस्त होकर आपराधिक कृत्यों में संलिप्त हो सकते हैं तथा सामाजिक मुद्दों के प्रति असंवेदनशील हो सकते हैं।

(ii) यात्रियों को समस्यारहित यात्रा प्रदान करने में चुनौतियाँ

: चूँकि सुविधाजनक यात्रा करना प्रत्येक यात्री का अधिकार है किन्तु ट्रांसजेन्डरों के कारण इसके प्रबंधन में समस्या आती है।

(iii) ट्रांसजेंडरों की अनिश्चित आजीविका के कारण ~~वंचना~~ वे हमेशा वंचना का शिकार रहते हैं तथा मूलभूत मानवाधिकारों से वंचित रहते हैं।

ट्रांसजेण्डरों के प्रति जनसामान्य का दृष्टिकोण नकारात्मक रहता है। सामान्य लोगों द्वारा उन्हें हेय दृष्टि से देखा जाता है तथा उनके प्रति अभिवृत्ति 'भीख मांगने वाले लोग' के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

रूप में हो जाती है। सामान्य जन द्वारा उन्हें अपमानजनक शब्दों द्वारा पुकारा जाता है।

नकारात्मक अभिवृत्ति के कारण →

→ समाज में ट्रांसजेण्डरों के प्रति नकारात्मक पूर्व-धारणा के कारण उन्हें ईश्वर द्वारा निर्मित माना जाता है तथा इसे जैविक विकार के रूप में नहीं देखा जाता है।

→ ट्रांसजेण्डरों के विरुद्ध विधिक प्रावधानों की उपस्थिति। उदाहरण के लिए IPC की धारा-377।

(b) ऐसी स्थिति में संभव कार्यवाही निम्नांकित तरीके से हो सकती है –

→ वैकल्पिक आजीविका में नियोजित करने का प्रयास करना। जैसे कि हस्तशिल्पों, घरेलू-उद्यमों आदि में नियोजित करना तथा आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ शिक्षा प्रदान करना तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना।

→ जनसामान्य को ट्रांसजेंडर समुदाय की वास्तविकताएं बताते हुए उनके प्रति संवेदनशील बनाना।

उपरोक्त प्रयासों के कारण ट्रांसजेण्डर समुदायों को स्थायित्व प्राप्त होगा तथा वे सरकारी लाभों का सतत् रूप से फायदा उठा सकेंगे। संवेदनशील जनसामान्य भी ट्रांसजेण्डर समूहों के प्रति सहिष्णु बनेगा तथा उनकी सामाजिक पुनर्स्थापना में सहायता करेगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Mr. X is the head of an NGO working in the field of environment conservation and protection. He is in dire need of funds for the NGO's operations and payments to his staff. He is approached by an official of a large infrastructure company, who is ready to provide the required funding for the NGO. But, in a quid pro quo, he asks Mr. X to raise objections over the bypassing of Environmental Impact Assessment (EIA) norms in an ongoing PPP project through his NGO. This project is being implemented by a rival infrastructure company. Mr. X knows that there have been instances of high level corruption in the process of granting EIA to mega projects and the information provided by the official seems to be authentic. Hence, he accepts the money and agrees to raise the objection.

(a) Considering the circumstances of the case, is Mr. X correct in accepting the money? Give appropriate reasons for your answer.

(b) If you were in place of Mr. X, what would have been your course of action? Give reasons for it. 20

श्री एक्स पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा के क्षेत्र में कार्यरत एक NGO (गैर सरकारी संगठन) के प्रमुख हैं। उन्हें NGO के संचालन और कर्मचारियों को भुगतान करने हेतु धन की अत्यन्त आवश्यकता है। एक बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी का एक अधिकारी उनसे संपर्क करता है। कंपनी NGO के लिए आवश्यक फंड उपलब्ध कराने को तैयार है। लेकिन उसके बदले वह कंपनी यह चाहती है कि श्री एक्स अपने NGO के माध्यम से चल रही PPP परियोजना में पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) मानदंडों की अवहेलना पर आपत्तियां उठाएं। यह परियोजना प्रतिद्वंद्वी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी द्वारा कार्यान्वित की जा रही है। श्री एक्स को पता है कि बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए EIA प्रदान करने की प्रक्रिया में उच्च स्तरीय भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं और अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी प्रामाणिक प्रतीत होती है। इसलिए, वह धन स्वीकार कर लेते हैं और आपत्ति उठाने के लिए सहमत हो जाते हैं।

(a) प्रकरण की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, क्या श्री एक्स का धन स्वीकार करना सही है? अपने उत्तर के लिए उचित कारण दीजिए।

(b) यदि आप श्री एक्स के स्थान पर होते, तो आप क्या कदम उठाते? इसके कारण बताइए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) यह मुद्दा NGO के सफल संचालन एवं व्यापक पर्यावरणीय मुद्दों के बीच दुविधा उत्पन्न करने वाला है।

- चूँकि श्री 'X' को यह पता है कि बड़े ~~प्रोजेक्ट~~ प्रोजेक्ट में EIA प्रदान करने की प्रक्रिया में उच्च स्तरीय भ्रष्टाचार होते हैं। किन्तु इस मुद्दे से संबंधित प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार के बारे में X को स्पष्ट जानकारी नहीं है। मिस्टर X सिर्फ प्रतिस्पर्धी कम्पनी के अधिकारियों द्वारा प्रदत्त सूचनाओं के आधार पर निर्णय करते हैं जबकि वास्तविक सूचनाएं भिन्न हो सकती हैं अतः X द्वारा लोन स्वीकार इस परिस्थिति में तार्किक नहीं होता।

'X' द्वारा लोन स्वीकार करना NGO की व्यावसायिक नैतिकता एवं कार्यसंस्कृति के लिए भी नकारात्मक प्रभाव वाला निर्णय है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

यदि मैं 'x' के स्थान पर होता तो निम्नांकित कदम उठाता →

(i) पर्यावरणीय NGO होने के नाते प्रत्यक्ष तौर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर कम्पनियों द्वारा प्रत्यक्ष तौर पर धन को स्वीकार नहीं करता, क्योंकि ऐसा करने पर NGO की कार्यप्रणाली किसी कम्पनी के संदर्भ में निष्पक्ष नहीं रहकर पूर्वाग्रही आधार पर हो सकती है।

(ii) इन्फ्रास्ट्रक्चर कम्पनी द्वारा उठाए गए मुद्दे की जाँच करता तथा निष्पक्ष एवं पूर्वाग्रहों से रहित होते हुए तार्किक आधारों पर मुद्दे की जाँच करना।

(iii) NGO के संचालन के लिए पब्लिक फण्डिंग या सरकारी फण्डिंग के प्रयास करना।

(iv) आंदोलन के लिए धन प्राप्त करने की

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कोशिश करने वाले अधिकारी के प्रति संबंधित चैनल द्वारा शिकायत करता तथा भविष्य में उनके द्वारा प्राप्त प्रोजेक्ट की तार्किक जाँच करता।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. You are a civil servant posted in a state where elections were recently held. The newly elected Chief Minister had promised to ban alcohol in several of his election campaigns as well as his election manifesto, which was widely praised and supported by women of the state. Fulfilling his electoral promise, the Chief Minister has ordered a blanket ban on the sale of alcohol in the state. Following the ban, concerns have been raised about the feasibility of the ban and whether the government should interfere in what is considered by many to be a matter of personal choice.

(a) Who are the stakeholders in this case and how are they affected by the ban?

(b) Is blanket ban on alcohol a feasible action?

(c) Identify the issues that may arise while enforcing the ban and the steps you will take to handle them, as a civil servant. 25

आप एक ऐसे राज्य में सिविल सेवक के रूप में तैनात हैं जहां हाल ही में चुनाव हुए थे। नव निर्वाचित मुख्यमंत्री ने अपने कई चुनावी अभियानों के साथ-साथ चुनाव घोषणापत्र में शराब पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया था, जिसकी राज्य की महिलाओं ने व्यापक रूप से प्रशंसा की थी और समर्थन दिया था। अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए, मुख्यमंत्री ने राज्य में शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबन्ध का आदेश दिया है। प्रतिबंध के बाद, प्रतिबंध की व्यवहार्यता पर प्रश्न उठाए गये हैं और क्या सरकार द्वारा शराब पर प्रतिबन्ध जिसे कई लोगों द्वारा व्यक्तिगत पसंद का विषय बताया गया है, उस मुद्दे पर हस्तक्षेप करना चाहिए।

(a) इस मामले में हितधारक कौन हैं और प्रतिबंध से वे किस प्रकार प्रभावित हैं?

(b) क्या शराब पर पूर्ण प्रतिबन्ध एक व्यवहार्य कार्रवाई है?

(c) एक सिविल सेवक के रूप में इन प्रतिबंधों को लागू करते समय उत्पन्न होने वाली समस्याओं की पहचान करें और उनसे निपटने हेतु आप क्या कदम उठाएंगे।

मुख्यमंत्री द्वारा उठाया गया कदम जन-आकांक्षाओं की पूर्ति के रूप में है, चूंकि मुख्यमंत्री इस मुद्दे के लिए जन-समर्थन प्राप्त कर चुके हैं अतः एक लोकसेवक होने के नाते मुझे जन-इच्छाओं ~~की~~ का सम्मान करना चाहिए तथा मुख्यमंत्री

के प्रयासों में सहायता करनी चाहिए।

(a) इस मामले में प्रमुख हितधारक निम्नांकित हैं →

(i) ~~समाज~~ राज्य की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाएँ एवं उनका जनमत

(ii) राज्य के राजनीतिक प्रमुख के रूप में मुख्यमंत्री एवं उनके द्वारा किये गए निर्णय

(iii) मुख्यमंत्री के निर्णय के विरोधकर्ता ~~एवं~~ उनके द्वारा प्रदत्त व्यक्तिगत पसंद संबंधित तर्क।

(iv) स्वयं मैं तथा मेरे लोकसेवा के प्रति प्रतिबद्धता।

(b) शराब पर प्रतिबंध एक समालोचनीय विचार है। पूर्ण प्रतिबंध के कारण ना सिर्फ व्यक्तिगत पसंद का दमन किया जाता है बल्कि ~~कानून~~-व्यवस्था की असफलता

को शराब से जोड़कर देखना भी अतार्किक है।

पूर्ण शराबबंदी के निम्नांकित हानियाँ हैं -

(i) अवैध शराब निर्माण में वृद्धि देखने को मिल सकती है, जो कानून व्यवस्था को चुनौती प्रदान करेगी।

(ii) अवैध तस्करी एवं कानून-व्यवस्था में भ्रष्टाचार का पनपना।

(iii) अन्य नशीले एवं हानिकारक पदार्थों का सेवन प्रारंभ हो सकता है।

(iv) राज्य के राजस्व पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने से राज्य द्वारा प्रदत्त सेवाओं की गुणवत्ता में कमी आ सकती है।

हालांकि एक अल्पविकसित ~~राज्य~~ राज्य में शराबबंदी के कई लाभ भी मिलते हैं -

(i) आपराधिक गतिविधियों में कमी।

(ii) पारिवारिक हिंसा में कमी।

(iii) सड़क हादसों में कमी।

(iv) बच्चों/युवाओं की आसान पहुँच ना होने के कारण उनको लत नहीं लग पाती।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) शराबबंदी से उत्पन्न होने वाली समस्याएं -
→ नकली शराब का उत्पादन।
→ नशीली एवं हानिकारक ड्रग्स का सेवन।
→ अन्य राज्यों से तस्करी।

निपटने हेतु प्रयास →

(i) व्यापक जनजागरूकता के साथ नकली शराब के दुष्प्रभावों से जनता को सचेत करना।

(ii) सामाजिक/सामुदायिक परामर्शकारी सेवाओं का विस्तार कर शराबमुक्ति के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना।

(iii) सामुदायिक पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों पर नजर रखना।

(iv) तनावरहित जीवन यापन के लिए बेहतर रोजगार के विकल्प एवं बेहतर सेवा गुणवत्ता प्रदान करने की सलाह राज्य सरकार को देना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Regulation and procedure of human clinical trials vary from nation to nation. Stem cell research, as an emerging biomedical field, requires approval for human trials and encounters multiple challenges. You are the head of a team of scientists who developed a new Tissue Engineering system, which appears to be a promising means of regenerating heart tissue. Trials of the system have already been conducted on animals and yielded good results. Millions of people suffering from critical heart diseases would benefit immensely if this medication is immediately made available to them. However, you need to conduct human clinical trials before it could be commercialised. It is also known that the stringent regulatory environment in the country will mean that human trials and final approval will take many years before it is made commercially available. On the other hand, regulation of clinical trials in many poor countries is weak and quick approval is possible. Many of your competitors also resort to human trials in these countries, often bribing the officials for getting quick approvals.

Given this situation, answer the following questions:

(a) Identify the ethical issues which arise during clinical trials.

(b) Given the above situation, would you prefer to shift human trials to a third country where regulations are lax? Give reasons in support of your choice.

(c) Suggest a framework of standard procedure to minimise ethical conflicts and speed-up the approval process of new medicines. 25

मानव पर नैदानिक परीक्षण (clinical trials) के विनियम और प्रक्रियाएं राष्ट्र दर राष्ट्र भिन्न हैं। एक उभरते बायोमेडिकल क्षेत्र के रूप में स्टेम सेल शोध के लिए मानवीय परीक्षणों हेतु स्वीकृति की आवश्यकता होती है और इसे चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आप वैज्ञानिकों के एक दल के नेतृत्वकर्ता हैं जिन्होंने एक नई टिश्यू इंजीनियरिंग सिस्टम विकसित किया है जो हृदय के उत्तकों (टिश्यूज) को पुनः पैदा करने हेतु आशावान साधन नजर आता है। इस सिस्टम का पहले ही जानवरों पर परीक्षण किया जा चुका है और उसके अच्छे परिणाम मिले हैं। गंभीर हृदय रोगों से जूझते लाखों-लाख लोगों को इसे अत्यधिक लाभ होगा यदि यह इलाज उनके लिए शीघ्र उपलब्ध करा दिया जाता है। हालांकि इसके वाणिज्यीकरण से पूर्व मानव पर नैदानिक परीक्षण करने की आवश्यकता होती है। यह भी ज्ञात है कि इसके वाणिज्यिक रूप से (बाजार में) उपलब्ध होने से पूर्व देश में विनियमन संबंधी कठोर वातावरण के कारण मानवीय परीक्षण और अंतिम स्वीकृति में वर्षों लग जाएंगे। वहीं दूसरी ओर बहुत से गरीब राष्ट्रों में नैदानिक परीक्षण सम्बन्धी विनियमन ढीले हैं और शीघ्र स्वीकृति संभव है। आपके बहुत-से प्रतिद्वंदी भी नैदानिक परीक्षण हेतु प्रायः ऐसे राष्ट्रों का रुख करते हैं जहां वे अधिकारियों को रिश्वत दे कर शीघ्र स्वीकृति प्राप्त कर लेते हैं।

दी गई परिस्थिति के अनुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) नैदानिक परीक्षण के दौरान उभरने वाले नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) दी गई उपर्युक्त परिस्थिति में, क्या आप मानवीय परीक्षणों को किसी तीसरे देश में स्थानांतरित करना पसंद करेंगे जहां विनियमन ढीले हैं? अपने चयन हेतु कारण दीजिए।

(c) नैतिक संघर्ष को कम करने एवं नई दवाइयों हेतु स्वीकृति की प्रक्रिया को तीव्र करने के लिए मानक प्रक्रिया का एक प्रारूप सुझाइए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) नैदानिक परीक्षण से उभरने वाले नैतिक मुद्दे

(i) चिकित्सकीय नैतिकता बनाम व्यापक सामाजिक एवं आर्थिक लाभ

(ii) गरीब राष्ट्रों में गैर-जागरूक लोगों की सहमति का अनुचित लाभ उठाना एवं व्यापक आर्थिक लाभ में उनको सहभागी नहीं बनाना।

(iii) व्यापक तकनीकी जन्य लाभ बनाम ~~मानव जीवन~~ व्यक्तिगत गरिमा।

(b) विनियमन ढीले होने की वजह से नैदानिक परीक्षणों को गरीब देशों में स्थानांतरित करना चिकित्सकीय नैतिकता के उल्लंघन के साथ ही मानवताविरोधी भी है।

चूँकि मानवीय अधिकारों की कोई सीमा नहीं होती है। सिर्फ जागरूकता के अभाव से या विनियमन ढीलेपन की वजह

से मानव को साधन बनाना अनैतिक कृत्य है।

मैं इस मुद्दे के संदर्भ में गरीब राष्ट्र को चुनने की बजाय अन्य विकल्पों को चुनना उचित समझूँगा।

ⓒ नई दवाइयों हेतु स्वीकृति की प्रक्रिया को तीव्र करने के लिए मानक प्रक्रिया का प्रारूप →

(i) क्रमिक तौर पर ~~सीमित~~ नैतिक ढाँचे में परीक्षण करना।

(ii) ब्रेन डेड व्यक्ति पर उनकी पूर्व अनुमति या परिवार जनों की अनुमति से परीक्षण करना।